

माननीय न्यायालय श्रीमान अध्यक्ष महोदय, राजस्व मंडल, ग्वालियर

प्रकरण क्र. / 14 सीलिंग

मिस. 1328-PBR/14

- 1 विक्रमसिंह पिता ओंकारसिंह, आयु-70 वर्ष, व्यवसाय-कृषक, जाति-राजपूत, निवासी-ग्राम किठोदा, तहसील-सावेर, जिला इंदौर, म.प्र.
- 2 बनेसिंह पिता ओंकारसिंह, आयु-65 वर्ष, व्यवसाय-कृषक, जाति-राजपूत, निवासी-ग्राम किठोदा, तहसील-सावेर, जिला इंदौर, म.प्र.

.....याचिकाकर्तागण

विरुद्ध

मध्यप्रदेश शासन द्वारा जिला कलेक्टर, इंदौर, म.प्र.रेस्पोंडेंट

विषय :- याचिका अंतर्गत अनुच्छेद मध्यप्रदेश सीलिंग ऑन

एग्रीकल्चरल होल्डिंग्स एक्ट। धारा-23 व धारा-51. M.P.L.A.C.

माननीय महोदय,

याचिका/प्रकरण के संक्षिप्त तथ्य

याचिकाकर्तागण की ओर से निम्नलिखित आवेदन पत्र/याचिका सादर प्रस्तुत है :-



म.प्र. शासन द्वारा
27/11/14

03-11-14

20/8/14

बा. जिले का याचिका प्रार्थी अधिभाग 8 सीलिंग 10/04/14 को प्रस्तुत

अभिधात

न्यायालय राजस्व मण्डल, मध्यप्रदेश—ग्वालियर

अनुवृत्ति आदेश पृष्ठ

प्रकरण क्रमांक M 1328—पीबीआर/2014

स्वामि तथा शिक्का

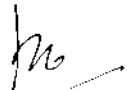
कार्यवाही तथा आदेश

जिला इंदौर

पक्षकारी एवं अधिनियमों
आदि के हस्तक्षर

30-4-2014

आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा ग्राह्यता पर प्रस्तुत तर्कों पर विचार किया गया । आवेदकगण की ओर से यह प्रकरण म.प्र. कृषि जोत खातों की अधिकतम सीमा अधिनियम, 1960 (जिसे संक्षेप में अधिनियम कहा जायेगा) की धारा 23 एवं म.प्र. भू-राजस्व संहिता, 1959 (जिसे संक्षेप में संहिता कहा जायेगा) की धारा 51 के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया है । इस संबंध में आवेदकगण के विद्वान अभिभाषक द्वारा तर्क प्रस्तुत किया गया कि संहिता की धारा 8 के अंतर्गत इस न्यायालय को स्वप्रेरणा से निगरानी की कार्यवाही करने की शक्तियां प्राप्त हैं । अधिनियम की धारा 23 के अंतर्गत इस न्यायालय के समक्ष प्रकरण प्रस्तुत करने का कोई प्रावधान नहीं है । संहिता की धारा 51 के अंतर्गत पुनर्विलोकन का प्रावधान है, इस प्रकरण में इस प्रकार की स्थिति भी नहीं है । संहिता की धारा 8 अधीक्षण शक्तियों से संबंधित है, और इस धारा के अंतर्गत स्वप्रेरणा से निगरानी की कार्यवाही नहीं की जा सकती है । इसके अतिरिक्त आवेदकगण द्वारा इस प्रकरण में अधीनस्थ न्यायालयों के किसी आदेश अथवा कार्यवाही को चुनौती नहीं दी गई है । अतः यह प्रकरण प्रथम दृष्टया विधि के प्रावधानों के अनुरूप प्रस्तुत नहीं किए जाने के कारण अग्राह्य किया जाता है ।


(स्वामी सिंह)
अध्यक्ष